





USE PROMO CODE

the Saryu
Nahar
National
Project

PM to visit Balrampur, UP on 11th December and
**inaugurate the Saryu Nahar
National Project**

Saryu Nahar National Project.

Article in
News

Context:

Prime Minister Narendra Modi visited Balrampur, Uttar Pradesh and inaugurated the Saryu Nahar National Project on 11th December.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बलरामपुर, उत्तरप्रदेश का दौरा किया और 11 दिसंबर को सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना का उद्घाटन किया।

Saryu Nahar National Project.

Article in
News

- The work on the project started in 1978 but due to lack of continuity of budgetary support, interdepartmental coordination and adequate monitoring, it got delayed and was not completed even after nearly four decades.
- वर्ष 1978 में परियोजना पर काम शुरू हो गया था, लेकिन बजटीय समर्थन की निरंतरता, अंतर-विभागीय समन्वय और समुचित निगरानी के अभाव में, परियोजना टलती गई तथा लगभग चार दशक बीत जाने के बाद भी पूरी नहीं हो सकी थी।

Saryu Nahar National Project.

Article in
News

- Prime Minister's vision for farmer welfare and empowerment, and his commitment to prioritise long pending projects of national importance, brought much needed focus on the project. **Consequently in 2016, the project was brought under Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana with the target to complete it in a time bound manner. In this endeavour, innovative solutions were found for new land acquisition to construct new canals and fill the critical gaps in the project, and also for resolving the pending litigation related to the previous land acquisitions. The renewed focus on the project has resulted in the project being completed in only about four years.**
- किसान कल्याण और उनके सशक्तिकरण तथा राष्ट्रीय महत्त्व के लंबे समय से टलती आ रही है, परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के प्रधानमंत्री के नजरिये की बदौलत इस परियोजना पर आवश्यक ध्यान दिया गया। परिणामस्वरूप 2016 में, इस परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि संचयी योजना में शामिल किया गया और इसे समयबद्ध तरीके से पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस प्रयास में, नई नहरों के निर्माण के लिये नये सिरे से भूमि अधिग्रहण करने तथा परियोजना की खामियों को दूर करने के लिये नये समाधान किये गये। साथ ही पहले जो भूमि अधिग्रहण किया गया था, उससे सम्बंधित लंबित मुकदमों को निपटाया गया। नये सिरे से ध्यान देने के कारण परियोजना लगभग चार वर्षों में ही पूरी कर ली गई।

Saryu Nahar National Project.

Article in
News

- The Saryu Nahar National Project has been built with a total cost of more than Rs. 9800 crore, out of which more than Rs 4600 crore was provisioned in the last four years.
- सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना के निर्माण की कुल लागत 9800 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें से 4600 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान पिछले चार वर्षों में किया गया।
- The project also involves interlinking of five rivers - Ghaghara, Saryu, Rapti, Banganga and Rohini to ensure optimum usage of water resources of the region.
- परियोजना में पांच नदियों - घाघरा, सरयू, राप्ती, बाणगंगा और रोहिणी को आपस में जोड़ने का भी प्रावधान किया गया है, ताकि क्षेत्र के लिये जल संसाधन का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो सके।

Saryu Nahar National Project.

Article in
News

- The project will provide assured water for irrigation of over **14 lakh hectares** of land and benefit about **29 lakh farmers** of over **6200 villages**.
- परियोजना से 14 लाख हेक्टेयर से अधिक खेतों की सिंचाई के लिये पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा पूर्वी उत्तरप्रदेश के 6200 से अधिक गांवों के लगभग 29 लाख किसानों को लाभ पहुंचेगा।
- It will benefit **nine districts of Eastern Uttar Pradesh** namely - Bahraich, Shravasti, Balrampur, Gonda, Siddharthnagar, Basti, Sant Kabir Nagar, Gorakhpur and Maharajganj.
- इससे पूर्वी उत्तरप्रदेश के नौ जिलों - बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोण्डा, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, गोरखपुर और महाराजगंज को लाभ मिलेगा।

Saryu Nahar National Project.

Article in
News

- The farmers of the region, who were the worst sufferers of the inordinate delay in the project, will now immensely benefit from the upgraded irrigation potential. They will now be able to grow crops on a larger scale and maximise the agri-potential of the region.
- क्षेत्र के किसान, जो परियोजना में अत्यधिक देरी की वजह से सबसे ज्यादा नुकसान में थे, अब उन्नत सिंचाई क्षमता से उन्हें बहुत फायदा पहुंचेगा। अब वे बड़े पैमाने पर फसल की पैदावार कर सकेंगे और क्षेत्र की कृषि क्षमता को बढ़ाने में समर्थ होंगे।



